

ASHA ARCHIVES 3484

८३ अक्षरानिर्णय

पुस्तक ८३

3484

ASHA ARCHIVES

मंगुल ॥ ॥ कलगा ॥ श्री द व ॥ क र ॥ ॥ थसाला ॥
मा नी ॥ व लि ॥ व लि ॥ व लि ॥ व लि ॥ व लि ॥ व लि ॥ व लि ॥
अर्था ॥ म धू ॥ वी न ॥ म कि ॥ ॥ या या ॥ ला ग ॥ गु न ॥ वा क ॥ नार ॥
क म सु त्र ॥ ॥ ग कि ॥ ॥ सु न वा लि ॥ ॥ य ज मान ॥

ॐ नमो भगवते ॥ ॥ सर्वसामग्रीसुखी कृत्य ॥ ॥ चतुर्नामकानि
धाय जलम्भयथा ॥ ॐ वक्रादक कृ रू रू स्वाहा ॥ ॥ आरु स्तोत्र दा
त्या ॥ ॐ श्री विष्णु दया पानि स म गार ल भ विक ल्यान म प न य कृ रू रू ॥
॥ ॥ आचमनं ॥ ॐ श्री स्वाहा ॥ ॥ गगा र्थ स्थापनं ॥ ॐ श्री आभन
न कृ दि स्थान मः ॥ अथ वा पुत्र काल्या मु षा ॥ ॥ जल ना पू न य न

हं चत्वारिंशत्

मः॥ वा रु व म कु ल च न्द ना क ग य षा नि ध य ॥ गी र्ध वा ह नं ॥
ॐ कां गं गं अ म न गि ॥ वं ध न द्रा यो मृ गी क ल ॥ ॐ का न्त ल द ल
ॐ सा ध न ॥ गा उ गु य दि यं ध नं ॥ गं कू ल ना द्रा य प्रा क ॥ ॐ गा ना य
वि द्म हं म हा ग्रा यै धी म ही ग ना द वी प्र वा द या न् ॥ ग ना द्रा य पू ज ॥
उ द्ध ॥ ॐ गं ग र ल ग म न मः ॥ वा म ॥ ॐ कं क प्र या ला य २ ॥ द क ॥ ॐ

वां व द्क ना था य २ ॥ अ धः ॥ ॐ या गि नी ला २ ॥ ॐ वे वि दि कूः ॥
ॐ गं गं ग यै २ ॥ ॐ यं य म ना य २ ॥ ॐ ग्रां ले म् २ ॥ ॐ जं स न स्व ले
न मः ॥ ॐ द्रा य द व ना दि लः पा य ॥ ॐ वा मु य न् प्रा य न मः ॥ स
र्व वि द्या न् सार्थ ॥ ॐ सर्व वि द्या न् सार्थ २ हं हं हं हं हं ॥ ह मि
र ल ध न ॥ ॐ न क २ हं हं हं हं हं ॥ कू ल ना द्रा य ॥ ॐ प वि मु व द्

अथाचार्यवर्येण
२५२

वंसत्रिकोपाये जलसायातु वले.

रुमरुं रुदुस्वाहा ॥ ^{वि कां वि लिख्य} ॥ ॐ असुनखवक्रन
खं रुं रुदुस्वाहा ॥ ^{ग न म लु ल यू ज न} ॥ ॐ श्री आध्वनग कथनम
: ॥ ^{ग ग्रा स न स स्था य} ॥ ^{रु म ध य श थ} ॥ ॐ पृथ्वी मनुस्य मनुष्टु मृ
षिः मनुष्टु चन्दः कृष्णदिवगा असुन विनियोगः ॥ ^{व ध्व ज}
लिना ॥ ॐ पृथ्वी त्वया धृता लाकादर्वी त्वं विष्णुता धृताः ॥ ^{व ध्व न}

ला जये.

लासाया जो मरुज

यमां निखं यविगुं असुनं कुरुः ॥ ^{ग ग्रा स न स स्था य} ॥ ^{रु म ध य श थ} ॥ ॐ
श्री आध्वनग कि कमलासना येनमः ॥ ^{ग ग्रा स न स स्था य} ॥ ^{रु म ध य श थ} ॥
विजया रणधनं च ॥ ^{मू ल न स} ॥ ^{रु म ध य श थ} ॥ ॐ वाम
रुयेनमः ॥ ^{व क शि य} ॥ ^{रु म ध य श थ} ॥ ॐ वेणुयेनमः ॥ ^{श्री गृ द्रा य} ॥
ॐ असुन असुन रुव असुन न्वनी असुन मा कर्षय सिद्धिं

गजितो रे गुरु ताराभ्यतय पाणिनमः २
वामहस्तनमः २

मूलं २ को

दहि अमकमवगमानय स्वाहा ॥ मूलनसफ धा ॥ अवाहना
दो ॥ गुन मूलगम्यचित्ता र क य म ॥ ॐ वे वे द स्वाग्वादिनी मः
मजि का ये स्थिनी एव सर्व सत्व वने क नी स्वाहा ॥ ॥ सूर्याय ॥ ॐ
वे कां जी सः श्री कूल माह लु महा रे न वा य प्र का न ल कि स हि गा
य व द म र्घ गृहा ल स्वाहा ॥ अयस्तु प्रः ॥ ॐ अर्चि त सर्व का य्या दो

मूलं २ को
मूलं २ को
मूलं २ को

वाम ॥ वे गुं ॥ अमकानन्दमा थ गुरु वनमः ॥ ८६ ॥ वे लुं गं ग र म ॥ अ २
कूल माह लु ए न व ॥ नो मि प्र का न ल कि अ २ कु कि म कि रु ल प्र
दं ॥ य धं व ॥ ॥ गता गुन वृ ज न ॥ ॐ य न म गु न र्थानमः ॥ प्र व य ना
य न ॥ य न म र्थी ॥ ॐ अ र्ध लु म धु ल नि ॥ ॥ गता ग ल गु न मूल न स्वा
ः ॥ अथ व धी ॥ अ लि ना यी रं वि वि रुः ॥ ॐ म ग न न क गु स थि रं
य ग प्र क ल्य म र्थ न म ॥ ग न मूल म लि र्थी ॥ अ र ना ना म लि वि रु

मूलं २ को
मूलं २ को
मूलं २ को

मूलं २ को
मूलं २ को
मूलं २ को

वे न या नि म जा द र्हा य ॥ ग ल प्र य दि त व र्थ नं वि रु का
धु ल ॥ २

^न धिता ॥ नाना लंका नरुषा द्यम लिद वेगु सा विता ॥ निवा रि च
 रु मा सा स्थि मा द माना रि व नु तः ॥ च दु दि कु ग वा म लु गि ता
 ग म रा स्थि र धि तां ॥ त न्ना र धा रा व य द वी य र थो क ध्या न या ग त
 : ॥ ^आ नि र्वा वे न्न नं ॥ ^ॐ म नि ध वि व द्वा नि स र्व व नं क वि स्ता हा ॥
 ज रू न रू व न्न नं ॥ ^ॐ म नि ध वि व द्वा नि म हा प्र ति स न मा न रू २ रू

^प ज्ञा भ ल मो ध न ॥ ^२
 रु रू स्वा हा ॥ ॥ ग ता सा मा न्या र्थ रु ल ना यू ऊ य हा न म ल रू क ॥ यं १०
 मि ति म रु लार ग्ग भ य न ॥ नै मि ति ना दा रु य न ॥ व मि मि ना मृ ती
 ह ल ॥ प ष्ठ ३ ॥ ^ॐ य ष्ठ २ म हा यू धा स य ष्ठ य ष्ठ सं रु व य ष्ठ व या
 व दौ क रू रू रु रू स्वा हा ॥ मू ले न द न ध वा ॥ र ध न या नि म द्रा
 ना उ व य च्छा नि का रि ॥ ॥ का य वा च्छि रु ल ध नं ॥ ^ॐ ज रू रू रू स्वा
 नु ग ले धि स्वि सो न

उगलेधि मयी जीवात्मा बो न सि य

हा ॥ जीवात्मानं च हृदि हस्तं दत्वा ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥
गता वामपादरुमोद्याननगा ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥
द्विः ॥ हंसनिमित्तं नमः लाभात्कलुलनिधुषिवादि सह स्वाधि
स्थानमवकादिह दत्तं नमः कलुलविलीनं ॥ गङ्गलसहस्रमसि य
नसमानीय कलुलविलीनं ॥ वक्षिना सहस्रहस्रमानीय वक्षि

वायोलीनं ॥ वायूना सहस्रविषुद्धं आकाशलीनं ॥ आकाशस
हस्रविषुद्धं मनसा काशीलीनं ॥ मनोनादलीनं ॥ नादध्वनीस
मर्थयत् ॥ गतः सहस्रदलकमलं जीवात्मा यवमात्मा मि
वक्षिनामकं नृपं विराट् प्रोक्तं यामंका नमः ॥ गतामान
सीवामकं दीपोपयुक्तं विविक्तं ध्यायत् ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥

त्ववको सधिय

गं पायं प्रवृषं कृष्णं पिंगलं ॥ वृक्षं हृत्पाणित्रं वृक्षं वृक्षं वृक्षं वृक्षं
 यं ॥ हृत्पाणित्रं वृक्षं वृक्षं वृक्षं वृक्षं वृक्षं वृक्षं वृक्षं वृक्षं वृक्षं
 मृक्षं वृक्षं वृक्षं वृक्षं वृक्षं वृक्षं वृक्षं वृक्षं वृक्षं वृक्षं
 ॥ वृक्षं वृक्षं वृक्षं वृक्षं वृक्षं वृक्षं वृक्षं वृक्षं वृक्षं वृक्षं
 वृक्षं वृक्षं वृक्षं वृक्षं वृक्षं वृक्षं वृक्षं वृक्षं वृक्षं वृक्षं

हृत्पाणित्रं

श्री ६४ ॥ श्री १० ॥

गृहिणी जंघी गवर्धु विहावाव वृक्षं वृक्षं वृक्षं वृक्षं वृक्षं वृक्षं
 मृष्टा हृत्पाणित्रं वृक्षं वृक्षं वृक्षं वृक्षं वृक्षं वृक्षं वृक्षं वृक्षं
 नृपायं नृपायं नृपायं नृपायं नृपायं नृपायं नृपायं नृपायं
 हृत्पाणित्रं वृक्षं वृक्षं वृक्षं वृक्षं वृक्षं वृक्षं वृक्षं वृक्षं
 हृत्पाणित्रं वृक्षं वृक्षं वृक्षं वृक्षं वृक्षं वृक्षं वृक्षं वृक्षं

विष्णुजीवने.

धात्वाहं कानवीजहृषिगां कर्हकां धात्वागदस्य निजात्मानं तां
निलिन्धा यत् ॥ ॐ प्रत्यालीटपदां धातां मरुमाता विहृषिगां
॥ सर्वलम्बादेत्रीहीमां धातुवर्माहतां कटो ॥ नवयोवनसंयन्तां यं
वमृदा विहृषिगां ॥ चतुर्भुजां ललज्जिह्वां महाहीमां वनप्रदां ॥ रक्त्र
कर्हसमायुक्तां सव्यगन्तुजह्यां ॥ कपालात्पलसंयुक्तां सव्यया

युगादितां ॥ पिरगरयेकजटां धाय न्मोलावकात्पहृषिगां ॥ ॐ
निध्वात्वायं वापवान्नात्मानं सीधूजयत् ॥ ॐ प्रालयनिद्रा ॥ ॐ
ॐ श्रीकोहं सः ग्रामहानिलीसर्वान्द्रिया निःहगत्पहृषिगां विप्रं नि
सुनुत्वाह ॥ ॐ गतः मूलन्यासः ॥ ॐ जलपठन्यासः ॥ ॐ जका
त्यमृषयनमः ॥ निवसि ॥ ॐ बृहती कन्दसुनमः ॥ मूख ॥ ॐ मूलं

श्रीमहाग्रामानादयो नमः ॥ हृदि ॥ ॥ हूं वीजाय नमः ॥ गुक् ॥ ॥ म्ही
नकूय नमः ॥ पादयोः ॥ ॥ हृद् कीलकाय नमः ॥ मंदारिग ॥ ॥ मम
सर्वयाय विष्णुविनिर्वागः ॥ वेधं जलिः ॥ न्यासः ॥ हुंः प्रिं गारु
क जट अमुय हृद् ॥ ॐ जा श्रीमदक जट अंगुष्ठां नमः ॥ ॐ ज
गानि र्गो मर्जनी त्या ह्रा ह ॥ ॐ हूं वजादक मधमा त्या म्वषट् ॥ ॐ ज

नीन स्रन ह्रस्वे अनामिका त्यां हूं ॥ ॐ जां महोप्रगि स्रनक निष्ठा त्यां योष
ट् ॥ ॐ जः प्रिं गारु क जट कनन प्रुष्ठा त्यां अमुय हृद् ॥ ॥ प्रवह द
यादि ॥ ॥ गगा कनना हृत्का न्यासः ॥ अं कं ज अं अंगुष्ठा त्यां २ ॥ हूं व
ज श्रीं मर्जनी त्यां ॥ ॐ हूं मधमा त्यां ॥ प्रं मं अं अनामिका त्यां ॥ ॐ यं अं
ॐ क निष्ठा त्यां ॥ अं यं हं कं अः कनन प्रुष्ठा त्यां ॥ प्रवह दि न्यासः ॥ ॥ ग

विस्तीर्णने
गावर्तु न्यासः ॥ ध्यानं ॥ ॐ सिंहरूपां गिरिमासितां रुद्राक्षिनीं प्रविश्याक
सूत्रमृगयागवनांदधानं ॥ यो ह्यस्थितां रुद्राक्षिनीं संप्रसिद्धां च तारां ध्या
येत्कनाकुक्षं गयकवर्तुमालां ॥ ॐ अं अं ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ नमः ॥
हृदि ॥ ॐ प्रं प्रं ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ नमः ॥ दं दं ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ
अं अं ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ नमः ॥ वा मं ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ नमः ॥ द
न्यासः ३

[illegible]

॥ दक्षकलु ॥ ॐ नमः ॥ वामकलु ॥ ॐ नमः ॥ दक्षनासाया ॥
 ॐ नमः ॥ वामनासाया ॥ ॐ नमः ॥ दक्षगलु ॥ ॐ नमः ॥
 वामगलु ॥ ॐ नमः ॥ दुर्वाष्ट ॥ ॐ नमः ॥ जुरवाष्ट ॥ ॐ
 नमः ॥ दुर्वाष्ट ॥ ॐ नमः ॥ जुरवाष्ट ॥ ॐ नमः ॥
 नमः ॥ दुर्वाष्ट ॥ ॐ नमः ॥ जुरवाष्ट ॥ ॐ नमः ॥
 नमः ॥ दुर्वाष्ट ॥ ॐ नमः ॥ जुरवाष्ट ॥ ॐ नमः ॥
 नमः ॥ दुर्वाष्ट ॥ ॐ नमः ॥ जुरवाष्ट ॥ ॐ नमः ॥

ॐ नमः ॥ दक्षकलु ॥ ॐ नमः ॥ वामकलु ॥ ॐ नमः ॥ दक्षनासाया ॥
 ॐ नमः ॥ वामनासाया ॥ ॐ नमः ॥ दक्षगलु ॥ ॐ नमः ॥
 वामगलु ॥ ॐ नमः ॥ दुर्वाष्ट ॥ ॐ नमः ॥ जुरवाष्ट ॥ ॐ
 नमः ॥ दुर्वाष्ट ॥ ॐ नमः ॥ जुरवाष्ट ॥ ॐ नमः ॥
 नमः ॥ दुर्वाष्ट ॥ ॐ नमः ॥ जुरवाष्ट ॥ ॐ नमः ॥
 नमः ॥ दुर्वाष्ट ॥ ॐ नमः ॥ जुरवाष्ट ॥ ॐ नमः ॥
 नमः ॥ दुर्वाष्ट ॥ ॐ नमः ॥ जुरवाष्ट ॥ ॐ नमः ॥

जुतिपविं चो.

जुतिपविं चो

॥ अंगुलिमूल ॥ ॐ लं नमः ॥ दक्षपादा गुल्यारय ॥ ॐ नं
नमः ॥ वामकटि ॥ ॐ धं नमः ॥ जानूः ॥ ॐ दं नमः ॥ गुल्युं ॥
ॐ धं नमः ॥ अंगुलिमूल ॥ ॐ नं नमः ॥ अंगुल्यारय ॥ ॐ
धं नमः ॥ दक्षपादा ॥ ॐ हं नमः ॥ वामपादा ॥ ॐ वं नमः
॥ एव वं ॥ ॐ हं नमः ॥ नाशः ॥ ॐ मं नमः ॥ उदरं ॥ ॐ यं
चा

जव वो हो चो

चो वा

नमः ॥ हृदि ॥ ॐ नं नमः ॥ दक्षपादा ॥ ॐ लं नमः ॥ ककुदि ॥ ॐ
वं नमः ॥ वामपादा ॥ ॐ लं नमः ॥ हृदया दक्षपादा गुलिपर्यम् ॥
ॐ धं नमः ॥ हृदया दक्षपादा गुलिपर्यम् ॥ ॐ सनं नमः ॥ हृदया द
क्षपादा ॥ ॐ हं नमः ॥ हृदया दक्षपादा ॥ ॐ लं नमः ॥ हृद
या हृदया ॥ ॐ हं नमः ॥ हृदया हृदया ॥ न्यास हृदया ॥ माह
जुगलं निस्पृष्टात
जुगलं निस्पृष्टात

^{डेता} जिह्वाख्यानमः ॥ दक्षगर्भु ॥ ^{डेता} ॐ हं हनकुरु अद्वीख्यानमः ॥ वाम
^{डेता} गर्भु ॥ ॐ त्रं जटीलपुष्पकलीख्यानमः ॥ ^{डोला} पुष्पि ॥ ॐ त्रं शैतिक
^{कोला} लविहगमूखीख्यानमः ॥ ^{कोला} अरक्ष ॥ ॐ त्रं स्याजान्नाला मूखीख
^{कोला} नमः ॥ ^{कोला} पुष्पदन्त ॥ ॐ त्रं जन्मग्रहलङ्कामूखीख्यानमः ॥ अध
^{कोला} दन्त ॥ ॐ त्रं जं जकुलमसूखीख्यानमः ॥ निनस ॥ ॐ त्रं जूः महा

^{जुता} मनविद्यामूखीख्यानमः ॥ ^{कोला} मरुमरु ॥ ॐ त्रं कं प्राधीनमहाका
^{कोला} लीख्यानमः ॥ ^{कोला} दक्षवाहः ॥ ॐ त्रं खं वरुणमनहमीख्यानमः ॥ ^{कोला} कथ
^{कोला} न ॥ ॐ त्रं गं चान्नगरीख्यानमः ॥ ^{कोला} मलिवंध ॥ ॐ त्रं धं निगारु
^{कोला} मलपुलाखवन्ध्याख्यानमः ॥ ^{कोला} अरुतिमल ॥ ॐ त्रं दं वक्रवृद्धग
^{कोला} मनुगकिख्यानमः ॥ ^{कोला} अरुत्य ॥ ॐ त्रं वं कर्मगात्मगकिर्ण

नमः॥ वासुदेवः॥ ॐ कूं वृकनप्रगल्लमागल्लानमः॥ कू
र्यन॥ ॐ ऊं वृषुवानननल्लम्बादनीत्यानमः॥ मलिवंधा॥
ॐ अं अऊं गद्राविनीत्यानमः॥ अं गुलिमूल॥ ॐ उं उं सर्वगमा
गनीत्यानमः॥ अं गुल्लु॥ ॐ टं मासं श्वेदनीत्यानमः॥ द
ककटि॥ ॐ वं लाङ्गलीगमं उनीत्यानमः॥ जानः॥ ॐ उं दा

वृकनप्रविनीत्यानमः॥ गुल्लु॥ ॐ टं अर्द्धनानीनवीनिनीत्यान
मः॥ अं गुलिमूल॥ ॐ वं उं माक्रान्नकादनीत्यानमः॥ अं गुल्लु
॥ ॐ गं ओं घाटीनपूटनात्यानमः॥ वामपादमूल॥ ॐ थं
दलुनीनपूदकालीत्यानमः॥ जाननि॥ ॐ दं अं गीनं धागिनीत्या
नमः॥ गुल्लु॥ ॐ धं मीननल्लं श्वेनीत्यानमः॥ अं गुलिमूल॥

ॐ नमः स्वर्णगङ्गातीर्थानामः ॥ अंगुलीय ॥ ॐ यैः साहित्यकाल
मातीर्थानामः ॥ दक्षाय ॥ ॐ हं निखीनकृत्तुनीर्थानामः ॥ वा
मपाय ॥ ॐ वं कृत्तुनीर्थानामः ॥ दक्ष ॥ ॐ हं नि
खीनकृत्तुनीर्थानामः ॥ नाहिः ॥ ॐ मं महाकालगङ्गायर्थानामः
॥ उदल ॥ ॐ यैः वातीर्थानामः ॥ दक्ष ॥ ॐ नमः ॥

गङ्गातीर्थानामः ॥ दक्षाय ॥ ॐ लं पिनाकीनमाधवीर्थानामः
॥ कक्ष ॥ ॐ वं स्वर्णगङ्गातीर्थानामः ॥ वामाय ॥ ॐ वं कृ
त्तुनीर्थानामः ॥ दक्षाय ॥ ॐ यैः कृत्तुनीर्थानामः ॥ नाहिः
॥ ॐ मं महाकालगङ्गायर्थानामः ॥ उदल ॥ ॐ यैः वातीर्थानामः ॥ दक्ष ॥ ॐ नमः ॥

संपत्त्य ३ =

नित्यं

सर्वविधापसम

नीमर्षपापविनाशिनी

या दाम् ॥ ॐ लं गिव नद्यायिनी र्णानमः ॥ दद्याद् दद्यात् ॥ ॐ कं
सम्बल नमाया र्णानमः ॥ दद्यात् सखात् ॥ न्या सखत् ॥ मिहादा विद
नां व सर्वविह प्रदायिनी ॥ सर्वकामप्रदानि त्वं सर्वसाधुप्रदायि
नी ॥ ॐ नमो गिव नद्यायिनी ॥ ॐ वक्र ॥ लङ् ॥ जाकिनी नकि सहिता
येनमः ॥ स्वाधि स्थानं ॥ ॐ विष्णु वक्र ॥ नकिनी नकि सहिता येन
आधनं ।

लिंग

मः ॥ स्वाधि स्थानं ॥ ॐ नद्राय क्क लाकिनी नकि सहिता येनमः ॥
मलियूत ॥ ॐ इनी धनाय क्क काकिनी नकि सहिता येनमः ॥ दद्या
नदत्त ॥ ॐ सदा निवाय क्क साकिनी सहिता येनमः ॥ विष्णु ॥
ॐ यनम लुनाय क्क हाकिनी सहिता येनमः ॥ ॐ मरधा ॥ मनाय
हन्नासः ॥ ॐ ॐ ॥ नवनमः ॥ ददि ॥ ॐ कं ॥ असा मायनमः ॥ ॐ ॥

कानिका

सः॥ ॐ॥ जं॥ अं॥ कं॥ उ॥ मा॥ रा॥ ये॥ नमः॥ ॐ॥ कं॥ नं॥ र॥ ध॥ ॥ ॐ॥ नूं॥ री॥ वं॥ अ॥
उ॥ ग्रा॥ ये॥ नमः॥ ॥ ल॥ ला॥ ट॥ ॥ ॐ॥ उ॥ डु॥ टु॥ उ॥ म॥ हा॥ ग्रा॥ ये॥ नमः॥ ॥ क॥ म॥
॥ ध॥ ॥ ॐ॥ अं॥ मं॥ रं॥ उ॥ व॥ डा॥ ये॥ नमः॥ ॥ क॥ र॥ ॥ ॐ॥ छं॥ षं॥ उ॥ का॥ ली॥
नमः॥ ॥ ह॥ दि॥ ॥ ॐ॥ उ॥ वं॥ यं॥ उ॥ स॥ न॥ म॥ ये॥ नमः॥ ॥ ना॥ रिः॥ ॥ ॐ॥ नं॥ उ॥
उ॥ क॥ उ॥ टा॥ ये॥ नमः॥ ॥ सि॥ र॥ ॥ ॐ॥ जं॥ अं॥ लं॥ कं॥ वा॥ म॥ लु॥ ये॥ नमः॥

आ॥ धा॥ न॥ ॥ ॐ॥ ॥ अ॥ क॥ त्वा॥ मा॥ न॥ का॥ न्या॥ सं॥ ता॥ नि॥ ली॥ प्र॥ उ॥ प॥ अ॥ दि॥ ॥ ग॥ न॥
न॥ क॥ प्र॥ उ॥ का॥ पि॥ न॥ म॥ लुः॥ सि॥ दि॥ दा॥ य॥ कः॥ ॥ ॥ त॥ मा॥ यी॥ व॥ न्या॥ सः॥ ॐ॥
जं॥ ॥ का॥ म॥ न॥ पी॥ ल॥ य॥ न॥ मः॥ ॥ आ॥ धा॥ न॥ ॥ ॐ॥ उ॥ वं॥ उ॥ जा॥ न॥ च॥ यी॥ ल॥ य॥
नमः॥ ॥ ह॥ दि॥ ॥ ॐ॥ कं॥ अ॥ पू॥ र्णु॥ गि॥ नि॥ पी॥ ल॥ य॥ न॥ मः॥ ॥ ल॥ ला॥ ट॥ ॥
ॐ॥ वं॥ उ॥ उ॥ पु॥ या॥ न॥ पी॥ ल॥ य॥ न॥ मः॥ ॥ क॥ न॥ स॥ र॥ न्नी॥ ॥ ॐ॥ टु॥ उ॥ वा॥ ना॥ न॥
मं॥ लि॥

ॐ हं वं पूर्व हं नमः ॥ दक्ष कर्षण ॥ ॐ हं उं उरु नमः ॥
ॐ हं उं उरु नमः ॥ वाम कर्षण ॥ ॐ मं उं हं हं नमः ॥ दक्ष मं वि
वर्ध ॥ ॐ हं वं विद्याय नमः ॥ वाम विवर्ध ॥ ॐ उं हं हं हं
नमः ॥ दक्ष हं नमः ॥ ॐ लं नं विद्याय नमः ॥ वाम हं नमः ॥
ॐ धं नं अं नमः ॥ नाहिः ॥ ॐ धं नं अं नमः ॥ द

ॐ हं वं पूर्व हं नमः ॥ वामा नमः ॥ ॐ वं हं पूर्व हं नमः ॥
ॐ हं वं पूर्व हं नमः ॥ दक्ष उं नमः ॥ ॐ मं उं उरु नमः ॥ वाम उं
नमः ॥ ॐ नं लं नमः ॥ दक्ष उं नमः ॥ ॐ वं धं नमः ॥
नमः ॥ वाम उं नमः ॥ ॐ लं नं नमः ॥ दक्ष उं नमः ॥
ॐ मं पूर्व हं नमः ॥ वाम उं नमः ॥ ॐ हं उं उरु नमः ॥

मालि
 येनमः॥दक्षपाद॥॥ॐ लं कं वरुणेनमः॥मालि
॥ न्यासहृत् ॥ वाहि आदिमहात्म्या संकृतानत्रः वनः सुधीः ॥ वाहि
 तीसुतवत्सुधा मासा आरुव गिधुव ॥ गतामलसा द्विपं वाकनी
 मत्तुं लघुद्वानं माह कास्थानं न्यसंत ॥ गक वं ॥ हलं ॥ कन
 सिन्यास्य यथुसुचं नपविनस्यतु ॥ योगिनीनां रवत्पूजः सदेवा

हम्याग्नपा

तत्रमानुषः ॥ यन्नमानि मरुत्तानि धारायुत्रिगविग्रहाः ॥ अल्पायः
 सरुवत्सुधादवताकं यनं धुवं ॥ नगस्य तुल्या लाकमिनिह माह मूया
 कूनः ॥ गतः गक वं गुरु क धारा ॥ प्रत्येकं मूलसा द्विपं वाकनी माह
 कावीजयुटितन माह स्थानं क्रमात्कमनन्यसंत ॥ न्यासहृत् ॥ शुक्र
 धाराकं यंदवीनप्रकास्य कदाचन ॥ अवन्ध प्रत्येकं कार्यं न धूजानः

कथं स्यात् ॥ गताय ५ न्यासः ॥ ॐ क्रौञ्च विलवाग्र पिरलो जंगुका
 ला ॥ ॐ क्रौञ्च विलवाग्र पिरलो र्जुनी ॥ ॐ क्रौञ्च विलवाग्र पिरलो म
 र्धसा ला ॥ ॐ क्रौञ्च विलवाग्र पिरलो जनामिका ला ॥ ॐ क्रौञ्च र्जु
 दवाग्र पिरलो कनिष्ठा ला ॥ ॐ क्रौञ्च सर्ववाग्र पिरलो कनकन प्रष्टा ला
 ॥ ॐ क्रौञ्च दि ॥ गतामूलन व्यायक न्यासः ॥ मूलन व्यायक न्यास नव
 मूलनमकननधिय ७ क्रौ

प्राकान्यासिय ॥ स पक्षपंचधा वापि गतानूननकाययत् ॥
 यो न ॥ व ॥ निमकुल प्राणमंकाययत् ॥ ॐ निमकुल प्राणमंकाययत्
 मः ॥ अथमकुलुष्टिः ॥ मूलमाह को कनमकुल संघटि
 नमप्रिषाजयकाययत् ॥ स्थानगुष्टिः ॥ विमानरिहयह
 विप्रविप्रिषाकाणययनिमकुलययदीयप्रकाय ॥ गतः

यद्वाधनं॥ स्वरुपाय नमः॥ वनप्रीत्युपाय नमः॥ गन्धनप्रतिष्ठा॥ ह्रम
सलाकनसिन्धु॥ ॐ आः सूर्यरश्मि वक्रवर्धन रश्मि रश्मि रश्मि ॥ विद
प्रिको लघु कालं हृदये मे नमः॥ चतुर्वर्ग नमो हृदये दनाय क
नमो यनि॥ हृदये मे नमो हृदये मे नमः॥ विष्णु लघु मे
हृदये मे नमो हृदये मे नमः॥ ॐ अथः श्री गुरुभ्यो नमः॥ ॐ नमो नमो

नमः॥ ॐ कल्पवृक्षाय नमः॥ ॐ मलिनप्रीत्यय नमः॥ ॐ नानामनि
ल्लय नमः॥ ॐ नानालंकाराय नमः॥ ॐ मलिनयान नमः॥ ॐ दवला
नमः॥ ॐ वक्रमंसास्थिमांसमाननिवालाय नमः॥ ॐ लवदिगुः
मृगु विगंगमस्थि यान नमः॥ ॐ अष्टदलं॥ ॐ लक्ष्मी नमः॥ ॐ स
नमो हृदये नमः॥ ॐ नमो हृदये नमः॥ ॐ श्री हृदये नमः॥ ॐ कीर्तये नमः॥ ॐ नमो

नमो नमः ॥ ॐ धूम्र नमः ॥ ॐ शुक्ल नमः ॥ ॐ वज्र नमः ॥ ॐ ह
यदाय नमः ॥ ॐ क्लृप्त हा प्रतापनाय नमः ॥ ॐ क्षीय प्रतापना
य नमः ॥ ॥ गता नख स्या य नार्थवत् ॥ ॥ अस्मद्गता ॥ ॥ गता म
हती साधनं ॥ अस्मद्गता क ॥ वदुस्तु कान ॥ ॥ पाद मध्यवन्दः
न न प्रिका लिलिख मध्य कुं वीज निक्षय ॥ पठ इ प्रका ॥ ॥ अ

मिं प्रका लिलिख ॥ ॐ क्षीय कुं नां उवक्षि वेतना ये स्वाहा ॥ ॥ मूलन स्या य
नं ॥ प्रका ॥ ॐ शुक्ल ॥ सर्वजन माहि न्ये नमः ॥ वलि मूद्रा ॥ ॥ ग
ता यवता वाह नं ॥ ॥ अग्नी कल न स्या यनं ॥ सामान्या र्थ कुल न
प्रका ॥ वन्दता कत निक्षय ॥ इय मरु धा ह मन्त्र वीजं लिख ॥ प्रका ॥
कुं नमः ॥ ॥ अस्मद्गता क ॥ ॐ यव म हा मि नि यव मा न गू न

वाहिनी वन्द्य सूर्याग्निह कलिया प्रविशत स्वाहा ॥२॥ ॐ आनन्दं
नाथ विग्रहसुखादयो धीमहि । नन्ना ईशाना श्रीश्वर प्रवादयात् ॥२॥ ॐ
वां ॐ उक्ता य विविता येन मः ॥१०॥ ॐ जी ॐ ॐ सुखादुक्ता यमाच
य स्वाहा ॥२॥ ॐ ॐ ॐ सुखादुक्ता यमाच विता येन मः ॥१०॥ ॐ उक्ता म
वपन प्रकृष्ट न सुखादुक्ता यमाच ॥ कवाहवाव सुखादुक्ता यमाच ॥

महं ॥ ॐ सूर्यमगुल संरुत वनू लल य संस्थित ॥ जमावी जमय
दविशुक्ता य विमाचिता ॥ ॐ दवानां प्रगवावी जं वक्ता नन्दम
यं यादि ॥ नन सुखं नन द विवक्ता सुखादुक्ता यमाच ॥ ॐ जमग
मृता सुखं जमग वक्ता म हा प्रकाश जमग सुखादुक्ता ॥ ॐ जी ॐ ॐ सुखादुक्ता
मि न सुखं नली सुखं लज न वाग्मादिनी य सुखं न वक्ता सुखादुक्ता यमाच

नाकिवचनाहिनस्तुवलीकुरु२०:०:०:स्वाहा॥मस्तुनस्तुवली॥
 जानिमुद्रा॥^{ला. ध्याया. लु. र्ये. ओ.}ततोयप्रसक्तकलादिरत्नधनं॥यत्र२॥ममलं॥न३दा
 हनं॥न३अमृतीकनलं॥मूल३॥^{सो. धे. न.}ॐ वं जी श्री श्री श्री वं सः स्वाहा॥१०॥
 सकलद्रव्यमस्तुनाष्टकं॥^{सो. धे. न.}ततोप्रीयाप्रस्थापनं॥ॐ श्री अम
 नलकादित्यानमः॥ॐ उा जा पू कादि यी १० त्यानमः॥षडङ्ग॥ॐ

१ अमुलप्रियादिकां प्रकाश्या
^{ध्या. त्रै. वा. त्रै. म. य. नि. ले.}

^{ध्या. त्रै. धूप. घने.} अर्कमगुलायनमः॥मूलनयूजनं॥संख्यस्थाययशुधा॥^{१. त्रै. य.}ॐ श्री
 महाविनीमहाशुभानादयाप्रीयाप्रस्थापयामिनमः॥^{१. त्रै. य.}पूजा॥ॐ
 कं हं न विरलेनमः॥ॐ खं वं ता विरलेनमः॥ॐ गं हं धू म्रायेनमः॥
 ॐ यं पं मत्री येनमः॥ॐ कं नं कालिनयेनमः॥ॐ वं धं नू येनमः॥ॐ
 कं दं हं धू म्रायेनमः॥ॐ उं थं लागदायेनमः॥ॐ अं नं विरलेनमः॥

ॐ ॐ ॐ वाधिनो नमः ॥ ॐ ॐ ॐ कानि नमः ॥ ॐ ॐ ॐ कानि नमः ॥
तनः श्री यद ह्या मृत नमः प्रयथा ॥ ॐ ॐ ॐ कानि नमः ॥ ॐ ॐ ॐ कानि नमः ॥
ॐ मूलं श्री यद ह्या मृत नमः प्रयथा ॥ ॐ ॐ ॐ कानि नमः ॥ ॐ ॐ ॐ कानि नमः ॥
य ॥ ॐ ॐ ॐ कानि नमः ॥ ॐ ॐ ॐ कानि नमः ॥ ॐ ॐ ॐ कानि नमः ॥ ॐ ॐ ॐ कानि नमः ॥
ॐ ॐ ॐ कानि नमः ॥ ॐ ॐ ॐ कानि नमः ॥ ॐ ॐ ॐ कानि नमः ॥ ॐ ॐ ॐ कानि नमः ॥

धुनो नमः ॥ ॐ ॐ ॐ कानि नमः ॥ ॐ ॐ ॐ कानि नमः ॥ ॐ ॐ ॐ कानि नमः ॥
नमः ॥ ॐ ॐ ॐ कानि नमः ॥ ॐ ॐ ॐ कानि नमः ॥ ॐ ॐ ॐ कानि नमः ॥ ॐ ॐ ॐ कानि नमः ॥
ॐ ॐ ॐ कानि नमः ॥ ॐ ॐ ॐ कानि नमः ॥ ॐ ॐ ॐ कानि नमः ॥ ॐ ॐ ॐ कानि नमः ॥
ॐ ॐ ॐ कानि नमः ॥ ॐ ॐ ॐ कानि नमः ॥ ॐ ॐ ॐ कानि नमः ॥ ॐ ॐ ॐ कानि नमः ॥
ॐ ॐ ॐ कानि नमः ॥ ॐ ॐ ॐ कानि नमः ॥ ॐ ॐ ॐ कानि नमः ॥ ॐ ॐ ॐ कानि नमः ॥

दम्बरीपूत्रिगं नानापातककात्रलोककत्रलं प्राहुः नृदावानलं ॥ श्री
मङ्क्रीतलत्रेगिरिगर्भेनयुतंदवेसदाबन्धितं पाशुनं प्रथमं कत्रावेज
गतम्बदविशुद्धिपुदं ॥ ॥ गताहामान्याद्यवदुत्तुहागलाकिवीन
पाशुस्थापनञ्च ॥ ॥ मधुपर्कस्थानं ॥ ॥ गतागुत्तुपाशुमृनस्यनि
त्रहिमर्थलं ॥ ॥ ज्ञेयाहालीपनमृगुत्तुपीपाइकाकृष्यामिनमः ॥

प्रवयत्रायत्र ॥ यत्रमष्टी ॥ दिव्याय ॥ सिद्धाय ॥ मानयोय ॥ ॥ श्री
पाशुमृगन ॥ ॐ मूलं श्रीमहात्रिणीमहाग्रामाये श्रीपाइकांनर्थ
यानमः ॥ ॥ वीनपाशुमृगनवदर्थलं ॥ ॐ जकायः श्रीमृगवायपा
इकांनर्थयामिनमः ॥ ॥ नकिपाशुमृगन ॥ ॐ सर्वयामिनीत्यापी
पाइकांनर्थयामिनमः ॥ ॥ हागपाशुमृगन ॥ बइकादि ॥ सर्वयनिः

ASNA ARCHIVES

3484

[illegible]

52

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 श्रीमद्भगवद्गीता ॥ अर्जुनस्य उवाच ॥
 दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रो पाण्डुपुत्रो वीर्यवान् ॥
 धनुर्धरं तपस्यवान् ॥ १ ॥

卷之五

अक्षरः

[illegible][illegible]

विजयं ॥ १ ॥ विजयं विजयं विजयं ॥ १ ॥ विजयं ॥
विजयं विजयं विजयं विजयं विजयं विजयं विजयं विजयं

विजयं विजयं विजयं विजयं विजयं विजयं विजयं विजयं
विजयं विजयं विजयं विजयं विजयं विजयं विजयं विजयं

विजयं विजयं विजयं विजयं विजयं विजयं विजयं विजयं
विजयं विजयं विजयं विजयं विजयं विजयं विजयं विजयं
विजयं विजयं विजयं विजयं विजयं विजयं विजयं विजयं
विजयं विजयं विजयं विजयं विजयं विजयं विजयं विजयं

कवि कुंजराय कवि काव्य विद्यायां विद्वत्पुत्राणां कवि
 योऽयं । गंगाकाव्योऽयं । गंगाकाव्योऽयं । गंगाकाव्योऽयं ।
 मयं । गंगाकाव्योऽयं । गंगाकाव्योऽयं । गंगाकाव्योऽयं ।
 नोऽयं । गंगाकाव्योऽयं । गंगाकाव्योऽयं । गंगाकाव्योऽयं ।
 दत्तायाम् । गंगाकाव्योऽयं । गंगाकाव्योऽयं । गंगाकाव्योऽयं ।

[illegible]

[illegible]

[illegible][illegible]

गणेशाय नमः ॥ गणेशाय नमः ॥ गणेशाय नमः ॥
गणेशाय नमः ॥ गणेशाय नमः ॥ गणेशाय नमः ॥
गणेशाय नमः ॥ गणेशाय नमः ॥ गणेशाय नमः ॥
गणेशाय नमः ॥ गणेशाय नमः ॥ गणेशाय नमः ॥
गणेशाय नमः ॥ गणेशाय नमः ॥ गणेशाय नमः ॥

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 कृष्णाय नमः ॥ २ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ ३ ॥
 श्रीगुरुवे नमः ॥ ४ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ५ ॥
 श्रीविष्णवे नमः ॥ ६ ॥
 श्रीशिवाय नमः ॥ ७ ॥
 श्रीब्रह्माय नमः ॥ ८ ॥
 श्रीमहेश्वराय नमः ॥ ९ ॥
 श्रीनारायणाय नमः ॥ १० ॥
 श्रीरामाय नमः ॥ ११ ॥
 श्रीलक्ष्मणाय नमः ॥ १२ ॥
 श्रीसुग्रीवाय नमः ॥ १३ ॥
 श्रीहनुमताय नमः ॥ १४ ॥
 श्रीकल्याणाय नमः ॥ १५ ॥
 श्रीसुखाय नमः ॥ १६ ॥
 श्रीमहाशिवाय नमः ॥ १७ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ १८ ॥
 श्रीविष्णवे नमः ॥ १९ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ २० ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ११ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १२ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १३ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १४ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १५ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १६ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १७ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १८ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १९ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
सः पश्यन्ति तस्मात् ॥ २ ॥
प्रजापतिः ॥ ३ ॥
विष्णुः ॥ ४ ॥
शिवः ॥ ५ ॥
ब्रह्मा ॥ ६ ॥
महेश्वरः ॥ ७ ॥
परमेश्वरः ॥ ८ ॥
सर्वेश्वरः ॥ ९ ॥
व्यासः ॥ १० ॥

॥ ११ ॥
॥ १२ ॥
॥ १३ ॥
॥ १४ ॥
॥ १५ ॥
॥ १६ ॥
॥ १७ ॥
॥ १८ ॥
॥ १९ ॥
॥ २० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 अथ श्रीभक्तिसूक्तम् ॥
 यद्ब्रह्म सदाचेतं सदाशिवं परमात्मनो
 ह्यविमर्शं तन्मत्तं कर्मभासां मुखादमुपासीत ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

महादेवस्य विष्णोर्देवतायाः ॥ १ ॥
ब्रह्मदेवतायाः ॥ २ ॥
विष्णुदेवतायाः ॥ ३ ॥
शिवदेवतायाः ॥ ४ ॥
कालदेवतायाः ॥ ५ ॥
वैद्यदेवतायाः ॥ ६ ॥
वैद्यदेवतायाः ॥ ७ ॥
वैद्यदेवतायाः ॥ ८ ॥
वैद्यदेवतायाः ॥ ९ ॥
वैद्यदेवतायाः ॥ १० ॥

वैद्यदेवतायाः ॥ ११ ॥
वैद्यदेवतायाः ॥ १२ ॥
वैद्यदेवतायाः ॥ १३ ॥
वैद्यदेवतायाः ॥ १४ ॥
वैद्यदेवतायाः ॥ १५ ॥
वैद्यदेवतायाः ॥ १६ ॥
वैद्यदेवतायाः ॥ १७ ॥
वैद्यदेवतायाः ॥ १८ ॥
वैद्यदेवतायाः ॥ १९ ॥
वैद्यदेवतायाः ॥ २० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible][illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥